BA Part II (Sub/GE)

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

Lecture V

घरेलू हिंसा की प्रकृति (Nature of Domestic violence)

घरेलू हिंसा की प्रकृति की बात किया जाए तो इसमें महिलाओं को कई प्रकार की विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। घरेलू हिंसा की प्रकृति निम्न बिंदुओं के आधार पर समझा जा सकता है :

1. सगे संबंधियों एवं बच्चों के सामने बार-बार अपमान करना।
2. परिवार में घटित होने वाली प्रत्येक गलती के लिए उन्हें जिम्मेवार ठहराना।
3. छोटे-छोटे एवं नगण्य मामलों के लिए उन्हें दोषी ठहराना।
4. बिना किसी गलती के भी दोषी ठहराना।
5. सम्बन्ध विच्छेद की धमकी देना।
6. हमेशा बुरा बर्ताव करना।

2020-7-14 07:58

7. उसकी साथी के प्रत्येक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना।

8. माता-पिता, दोस्तों एवं अन्य सगे संबंधियों से मिलने पर प्रतिबंध लगाना।

9. पारिवारिक मामलों में अभिव्यक्ति का अधिकार न होना।

10. उनके स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरतना

11. विवाहेतर संबंधों का संदेह करना।

12. अपमान एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करना।

13. व्यवस्थित तरीके से घर की देखभाल न करने का आरोप लगाना।

14. पारिवारिक पृष्ठभूमि की आलोचना कर अपमानित करना।

15. बुद्धिहीन कहना।

16. पति द्वारा आत्महत्या करने की धमकी देना

17. शारीरिक बल प्रयोग करना या धमकी देना।

इन सबके अतिरिक्त साथी के साथ भावनात्मक एवं आर्थिक दुर्व्यवहार भी इसकी प्रकृति है।